Prayer for the assembly

O God,/ My Heavenly Father,/ Who art all wisdom and knowledge, /enlighten my mind and grant me Thy grace and light,/ to increase in wisdom and useful knowledge/ by diligent study, Bless all my efforts with success,/ such be thy holy will.

Father, we thank thee for the night,
And for the pleasant morning light, For
rest and food and loving care
And all that Makes the world so fair
Help us to do the things we shoud to be to
other kind and good: in all we do in, work or
play, to grow more loving every day.

Make me all throuht to day O God,
Obedient to my parents"
Respectful of my teachers :
Diligent in my work
Fair in my games:
Clean in my pleasure :
kind to those whom I cam help:
True to my friends:
And loyal to you, Amen.

राष्ट्रगान

जन-गण-मन-अधिनायक जय हे, भारत भाग्य विधाता।
पंजाब सिन्धु गुजरात मराठा, द्राविड़ उत्कल बंग।
विन्ध्य हिमाचल यमुना गंगा, उच्छल जलधि तरंग।
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष माँगे।
गाहे तव जय गाथा,
जन-गण-मंगलदायक जय हे। भारत–भाग्य–विधाता,
जय हे, जय हे जय हे, जय जय, जय, जय हे।

Pledge

India is my country. All Indians are my brothers and sister. I love my country and I am proud of its rich and varied heritage. I shall always strive to be worthy of it. I shall give my parents, teachers and all elders respect and treat everyone with courtesy. To my country and my people, I pledge my devotion. In their well-being and prosperity along lies my happiness.

We Shall Overcome

We shall overcome
We shall overcome
we shall overcome, some day
Oh deep in my Heart
I do believe
We shall overcome, some day
We'll walk hand in hand
We'll walk hand in hand
We'll walk hand in hand, some day
Oh deep in my heart
I do believe
We shall overcome some day
We shall live in peace
We shall live in peace
We shall live in peace, some day
Oh, deep in my heart
I do believe
We shall overcome someday
We are not afraid
We are not afraid
We are not afraid, Today
Oh, deep in my heart
I do believe
We shall overcome some day

PRAYER AT EXAMINATION TIME

O God help me at my examination today to remember the things which I have learnt and studied. Help me to remember well and to think clearly. Help me not to be so nervous and excited, so that I may do self justice with my self, and keep me calm and clear hearted.
Help me to try my hardest and to do my best.I ask this through your name Amen, so that I may do justice myself/ with me.

God's Love

1. God's Love is so wonderful (3)
   Oh! wonderful love
   so high you can't get over it (2)
   so deep you can't get under it (2)
   Oh! Wonderful love.

2. All things bright and beautiful
   All Creatures great and small
   all things wise and wonderful
   The good God made them all
   Each little flower that opens
   Each little bird that sings
   He made their glowing colours
   He Made their tiny wings

हम होंगे कामयाब

हम होंगे कामयाब 2
हम होंगे कामयाब एक दिन
मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
हम होंगे कामयाब, एक दिन।
होगाी शांति चारो और एक दिन
मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
होगी शान्ति चारो और एक दिन।
हम चलेंगे साथ–साथ, डाले हाथों में हाथ।
हम चलेंगे साथ–साथ, एक दिन।
मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
हम चलेंगे साथ–साथ, एक दिन।
नही डर किसी का आज, एक दिन,
हो मन मे है विश्वास, पूरा है विश्वास
नहीं डर किसी का आज.....

O God, Thank You

O God, thank you for making me as I am
Thank you for the health and strength
For eyes to see:
For Ears to hear:
For hand to work:
For feet to walk and run:
For a mind to think,
For a memory to remember:
Thanking your
Parents Who are kind to me:
Friends who are true to me
Teachers who are patient with me:
Thank you for this wonder full life.
Help me to try to deserve all your gifts a little more.
I ask this through your name, Amen.

O God all trough to day help me.
Not to loose my temper
even when people and things annoy me.
not to loose my hope when things are difficult
and when learning is hard.
Help me so to live today,
that I will have nothing to be sorry for,
when I go bed again at tight Amen.

तराना

सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दोस्ताँ हमारा हमारा।
हम बुलबुले है इसकी, यह गुलिस्ताँ हमारा हमारा।
गुरबत में हो अगर हम, रहता है दिन वतन में
समझो वहीं हमें भी, दिल हो जहाँ हमारा
परबत वह सबसे ऊँचा, हम साया आसमाँ का
यह सन्तरी हमारा, वह पासवाँ हमारा हमारा
गोदी में खेलती हैं, जिसके हजारो नदियाँ गुलशन
है जिसके दम से, रश्के जहाँ हमारा
ऐ आबे रूबे गंगा, वह दिन है याद तुमको
उतरा तेरे किनारे जब कारवाँ हमारा
मजहब नही सिखाता आपस में बैर करना
हिन्दी है हम (2) वतन है हिन्दोस्ताँ हमारा
यूनान मिश्र रूमाँ सब मिट गये जहाँ से
अब तक मगर है बाकी नामो निशाँ हमारा
कुछ बात है कि हस्ती मिटती नही हमारी सदियों रहा
है दुश्मन दौर जमाँ हमारा
'इकबाल' कोई मरहम अपना नहीं जहाँ में
मालूम क्या किसी को दर्दे नेहाँ हमारा

या कुदेन्दु तुषार हार धवला या शुभ्रवस्त्रावृता
या वीणा वरदण्ड मण्डित करा या श्वेत पम्द्यासना।
या ब्रम्हाच्युत शंकर प्रभितिर्भिदेवैः सदा वन्दिता,
सा मां पातु सरस्तवी भगवती निःशेष जाडयापहा।।

इतनी शक्ति हमें देना दाता,

इतनी शक्ति हमें देना दाता,
मन का विश्वास कमजोर हो ना।
हम चले नेक रस्ते पे हमसे,
भूल कर भी कोई भी भूल हो ना।
इतनी शक्ति हमें देना दाता।
दूर अज्ञान के हो अंधेरे,
तू हमें ज्ञान की रोशनी दे।
हर बुराई से बच के रहे हम,
जितनी भी दे हमे जिन्दगी दें।
बैर हो ना किसी का किसी से,
भावना मन में बदले की होना
हम चले नेक रस्ते पे हमसे
भूल कर भी कोई भूल हो ना
हम न सोचे हमे क्या मिला है,
हम ये सोचे कि किया क्या हैं अर्पण।
फूल खुशियों के बाटे सभी को,
सब का जीवन ही बन जाये मधुबन।
अपनी करूणा का जल तू बहा दे,
कर दे पावन हरेक मन का कोना।
हम चले नेक रस्ते पे हमसे

पंचशील

1. पाणतिपाता वेरमणी सिक्खापादं सामदियामि।
2. आदिन्नदाना वेरमणी सिक्खापदं समदियामि।
3. कामेसु मिच्छ रचारा वेरमणी सिक्खापदं समादियसि।
4. मुसावादा वेरमणी सिक्खापदं समदियामि।
5. सुरामेस्य मज्जपमादट्ठाना वेरमणी सिक्खापदं समादियामि।

अर्थ

1. मै प्राणी हत्या से विरत रहने की शिक्षा ग्रहण करता हूँ।
2. मै चोरी से विरत रहने की शिक्षा ग्रहण करता हूँ।
3. मै पर–स्त्री गमन, मिथ्याचार आदि दुराचारों से विरत रहने की शिक्षा ग्रहण करता हूँ।
4. मैं झूठ कठोर वचन और चुगली से विरत रहने की शिक्षा ग्रहण करता हूँ।
5. मैं सूरामेरय–आदि नशीली–चीजों, प्रमाद के कारणों से विरत रहने की शिक्षा ग्रहण करता हूँ।

धर्म शिक्षा

नमो तस्स भगवतो अरहतो सम्मा सम्बुद्धस्स

(उन भगवान अरहत सम्यक सम्बुद्ध को नमस्कार हैं।
(तीन बार कहें।)

इसके इसके बाद आचार्य भिक्षु का अनुकरण करते हुए उपासको को त्रिशरण एवं निम्न प्रकार से पंचशील ग्रहण करना चाहिएं

त्रिशरणं गच्छामी

बुद्धं शरणं गच्छामि।
धम्मं शरणं गच्छामि।
संघं शरणं गच्छामि।
मैं बुद्ध की शरण में जाता हूँ
मै धर्म की शरण में जाता हूँ।
मैं संघ की शरण में जाता हूँ।
दूतियम्पि, बुद्ध शरणं गच्छामि।
दुतियम्पि, धम्मं शरणं गच्छामि।
दूतियम्पि, संघं शरणं गच्छामि।
दूसरी बार भी, मैं बुद्ध की शरण जाता हूँ।
दूसरी बार भी, धर्म की शरण में जाता हूँ।
दूसरी बार भी, मैं संघ की शरण में जाता हूँ।
ततियम्पि, बुद्धं शरणं गच्छामि।
ततियम्पि, धम्मं शरणं गच्छामि।
ततियम्पि, संघं शरणं गच्छामि।
तीसरी बार भी, मैं बुद्ध की शरण जाता हूँ
तीसरी बार भी, मैं धर्म की शरण जाता हूँ
तीसरी बार भी, मैं संघ की शरण जाता हूँ।

दया कर दान विद्या का हमें परमात्मा देना।
दया करना हमारी आत्मा में शुद्धता देना।।
हमारे ध्यान में आओ, प्रभु आँखों में बस जाओ।
अँधेरे दिल में आकर के, परम ज्योति जगा देना।।
बहा दो प्रेम की गंगा, दिलों में प्रेम का सागर।
हमें आपस में मिलजुल कर प्रभो रहना सिखा देना।।
हमारा धर्म हो सेवा, हमारा कर्म हो सेवा।
सदा ईमान हो सेवा, व सेवक चर बना देना।।
वतन के वास्ते जीना जीना, वतन के वास्ते मरना।।
वतन पर जाँ फिदा करना, प्रभु हमको सिखा देना।

जीवन के अन्धेरे में, प्रभु दीप जला देना,
ढुढ़ने को कहाँ जाऊँ, प्रभु राह दिखा देना।
हम प्यासे हैं दर्शन को, और ढूँढ रहे तुमको,
हम दास तुम्हारे है, हमको न भूला देना।
नैया जो पड़ी मझदार और टूट चुकी पतवार,
आने की दया करना और पार लगा देना।